To,

The Principal Secretary
Raj Bhawan Bihar,
Patna

Sub: ` Regarding submission of proposed course uniform syllabus of B.A. (Hons.) Sanskrit for 3rd to 8th Semester of 4-Year Under Graduate Course, (CBCS).

Reference :- Letter no. BSU (UGC) – **02/2023-1457/GS(I)** Dated 14.09.2023

Sir,

In compliance with your letter no. BSU (UGC) – 02/2023-1457/GS(I) Dated 14.09.2023 followed by above mentioned letter no, we are submitting the proposed course syllabus of **B.A. (Hons) Sanskrit** for 3rd to 8th Semester of 4-Year Under Graduate Course, (CBCS) as per UGC Regulations.

Yours Sincerely,

Prof. Shriprakash Rai
Professor, P.G. Dept. of Sanskrit
VKU, Ara.
Mob.- 943089582
Email – shriprakashrai71@gmail.com

Prof. Lakshmi Narayan
Professor & H.O.D., P.G. Dept. of Sanskrit
Patna University, Patna
Mob.- 9263552107
Email – lakshminarayan129@gmail.com

Prof. Mohan Mishra
Professor (Rtd.), P.G. Dept. of Sanskrit
TMBU, Bhagalpur.
Mob.- 9835438491
Email – mohanmishra.bgp@gmail.com

Prof. (Dr.) Baidyanath Mishra
Professor & H.O.D. , P.G. Dept. of Sanskrit
J. P. University, Chhapara
Mob.- 8210623145
Email -bnmishra.jpu@gmail.com

Dr. Vishvajeet Kumar
H.O.D., Dept. of Sanskrit
R. D. & D. J. College,
Munger University, Munger
Mob.- 9213573212
Email – v.jeetverma@gmail.com

Dr. Mamta Snehi
P.G. Dept. of Sanskrit
LNMU, Darbhanga
Mob.- 9717491097
Email – mamtasnehi111@gmail.com

Dr. Shyama Kant Jha
Associate Professor,
P.G. Deptt. Of Sanskrit,
B.N.M.U, Madhepura
Mobile No. 9431804323
Email Id: shyamakantjharmc@gmail.com

Prof. Manoj Kumar
Prof. & H.O.D.
P.G. Deptt. Of Sanskrit,
B.R.A.B.U., Muzaffarpur
Mobile No. 9430279555
Email Id: dr.nkbrabu@gmail.com

Dr. Rekha Rani
Associate Professor,
P.G. Deptt. Of Sanskrit,
B.D. College, P.P.U., Patna
Mobile No. 7970453282
Email Id: rekharani2260@gmail.com

Dr. Ramesh Kumar Jha
Assistant Professor
J.N.B. Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya
Lagama, Darbhanga (CSU, New Delhi).
Mobile No. 7992449505
Email Id: rkjharimjim@gmail.com

MAJOR COURSES (MJC)

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit.

क्रम संख्या	सेमेस्टर	Types of Course	Name of Course	Credit	Marks
1	I	MJC- 1	संस्कृत–व्याकरण	06	100
2	II	MJC- 2	संस्कृत पद्यकाव्य	06	100
3	III	MJC- 3	संस्कृत साहित्य का इतिहास	05	100
4	III	MJC- 4	वेद एवं उपनिषद्	04	100
5	IV	MJC- 5	संस्कृत–काव्यशास्त्र	05	100
6	IV	MJC- 6	संस्कृत–नाटक	05	100
7	IV	MJC- 7	संस्कृत–व्याकरण	05	100
8	V	MJC- 8	भारतीय दर्शन	05	100
9	V	MJC- 9	श्रीमद्भगवद्गीता	05	100
10	VI	MJC- 10	संस्कृत–गद्य–साहित्य	04	100
11	VI	MJC- 11	संस्कृत–व्याकरण	05	100
12	VI	MJC- 12	संस्कृत–रचना	05	100
13	VII	MJC- 13	संस्कृत–महाकाव्य	05	100
14	VII	MJC- 14	संस्कृत कथा–साहित्य	05	100
15	VII	MJC- 15	संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	06	100
16	VIII	MJC- 16	शोध प्रविधि	04	100
			Sub Total	80	1600

MINOR COURSES (MIC)

Minor Courses to be offered by the departments of Humanities.

क्रम संख्या	सेमेस्टर	Types of Course	Name of Course	Credit	Marks
1.	I	MIC-1	संस्कृत –व्याकरण	03	100
2.	II	MIC-2	संस्कृत पद्यकाव्य	03	100
3.	III	MIC-3	संस्कृत गद्य–साहित्य	03	100
4.	IV	MIC-4	संस्कृत व्याकरण एवं सम्भाषण कौशल	03	100
5.	V	MIC-5	संस्कृत नाटक	03	100
6.	V	MIC-6	संस्कृत काव्यशास्त्र	03	100
7.	VI	MIC-7	संस्कृत नीतिकाव्य	03	100
8.	VI	MIC-8	संस्कृत साहित्य का इतिहास	03	100

21.09.2023 21.9.23 21.9.23 21.9.23 21/9/2023 21.9.23

9.	VII	MIC-9	श्रीमद्भगवद्गीता	04	100
10.	VIII	MIC-10	भारतीय दर्शन	04	100
			Sub Total	32	1000

Multi Disciplinary COURSES (MDC)

Multi Disciplinary Courses to be offered by the departments of Humanities, Commerce & Sciences.

Sr. No.	Semester	Types of course	Name of Course	Credit	Marks
01	I	MDC-1	भारतीय संस्कृति	03	100
02	II	MDC-2	संस्कृत काव्य	03	100
03	III	MDC-3	संस्कृत वाड्मय में वैज्ञानिक परम्परा	03	100
			Sub Total	09	300

AEC -MIL Sanskrit

Sr. No.	Semester	Types of course	Name of Course	Credit	Marks
1	I	AEC-MIL Sanskrit	MIL Sanskrit	02	100

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP
UNIVRESITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-I (Pattern – 70+30=100)

MJC-1: संस्कृत व्याकरण

Theory:5 Credits+Tutorial: 1 credit= 6 credits

उद्देश्य

"मुखं व्याकरणं स्मृतम्"–संस्कृत भाषा की अवगति(समझदारी) विकसित करने हेतु महर्षि पतंजलि ने व्याकरण–शास्त्र को प्रमुख अंग के रूप में विवेचित किया है। वास्तव में, व्याकरण के ज्ञान के विना संस्कृत–वाङ्मय को समझना दुष्कर है। एतन्निमित्त यहाँ व्याकरण के प्रमुख व महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराने के उद्देश से लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर पाठ्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत है–

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संज्ञाप्रकरण	10
2	सन्धि प्रकरण(लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार): स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि	13
3	सुबन्त, तिङन्त एवं लकार–परिचय	15
4	अुनवाद	12
5	Turorial	10
	Total	60

Reading List

1. शास्त्री, धरानन्द, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग–01, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा चौरवम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धिः–संस्कृत व्याकरण के अध्ययन के उपरान्त छात्र छात्राओं को निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त होगी–

1. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगें।
2. संस्कृत वर्णमाला एवं श्लोकों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकसित होगा।
3. संस्कृत वाक्यों, श्लोकों एवं गद्यों को समझने की सामर्थ्य–शाक्ति विकसित होगी।
4. छात्र/छात्राओं को संस्कृत भाषा में सम्भाषण की कला का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. संस्कृत वाक्यों के निर्माण की शुद्ध एवं वैज्ञानिक कला का विकास होगा।

14/06/2023

14/6/23

NBRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP
UNIVRESITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-II (Pattern – 70+30=100)

MJC- II: संस्कृत काव्य

Theory:5 Credits+Tutorial: 1 credit= 6 credits

उद्देश्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए काव्य-साहित्य का सेवन नितांत आवश्यक है। शास्त्रों में वर्णित है–

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले।
काव्यामृत रसास्वादः संगमः सज्जनैः सह।।

छात्र छात्राओं के जीवन में काव्य रूपी अमृत का सेवन उनके सम्पूर्ण व्यक्तिव को परिपक्व व सुदृढ़ बनाने में सहायक है। काव्यों की सूक्तियाँ, रसानुभूति, सौन्दर्यबोध मानव–जीवन को आनन्दि एवं आन्दोलित करने तथा जीवन जीने की कला सिखाने में समर्थ है।साधु–काव्य के सेवन से "सत्यं शिवं एवं सुन्दरम्" का समवेत बोध छात्र/छात्राओं को हो सके–एतदर्थ काव्य का अध्ययन/अध्यापन अपेक्षित है।

MJC-1: संस्कृत काव्य		Credit 6
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lecture**
1	भगवद्गीता-अध्याय 12 (भक्तियोग)	10
2	रघुवंशम् (प्रथम – सर्ग)	10
3	पूर्वमेघदूतम्	15
4	किरातार्जुनीयम्(प्रथम सर्ग)	15
	Turorial	10
	Total	60

Reading List:

1. रघुवँशमहाकाव्य (प्रथमसर्ग) टीका-मल्लिनाथ,अनुवाद-धारादात्मिश्रा, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स अशोक राजपथ पटना|
2. रघुवंशमहाकाव्य, पं शेषराज शर्मा रेग्मी चौखम्भा सुभारती प्रकाशन वाराणसी शेषराज शर्मा रेग्मी चौखम्भा सुभारती प्रकाशन वाराणसी|
3. श्रीमद्भगवद्गीता व्याख्याकार–मदनमोहन अगवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी, 1994
4. मेघदूतम, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स अशोक राजपथ पटना|
5. जनार्दन शास्त्री, भारविकृत किरातार्जनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6. जनार्दन शास्त्री, भारविकृत रितार्जनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
7. श्रीमद्भगद्गीता–एस० राधाकृष्णन कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली–, 1969
8. बाबूराम त्रिपाठी(सम्पा.), भर्तृहरि कृत नीतिशतकम् महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1986

अधिगम उपलब्धिः–

- छात्र संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत साहित्य पद्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे

14/06/2023

14/6/23

NDPTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-III: संस्कृत साहित्य का इतिहास–वैदिक एवं लौकिक

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संहिताओं का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	8 Hours
2	ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांगो का सामान्य परिचय।	8 Hours
3	रामायण, महाभारत एवं पुराणों का सामान्य परिचय।	8 Hours
4	महाकाव्य, रूपक एवं गीतिकाव्य का सामान्य परिचय।	8 Hours
5	गद्यकाव्य, कथा साहित्य एवं चम्पूकाव्य का सामान्य परिचय।	8 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।(इस खण्ड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं। – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय(शारदामन्दिर वाराणसी)।
2. वैदिक साहित्य का इतिहास, पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
3. वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास, प्रो० रामविलास चौधरी, MLBD ।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)।
5. वैदिक साहित्य का इतिहास, गजानन्द मुसलगांवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. A History of Indian Literature, Vol. II, Translated by Subhdra Jha, MLBD.
7. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
8. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
9. संस्कृतसाहित्येतिहासः , आचार्य रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अधिगमः–

पाठ्यक्रम सम्पन्न होने पर छात्र संस्कृत साहित्य (वैदिक एवं लौकिक) के प्रमुख पक्षों का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसकी महत्ता को समझ सकेंगे। वेदों में निहित ज्ञान–विज्ञान अध्यात्म एवं दर्शन के रहस्यों से अवगत हो सकेंगे। वेदांगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। वेदों के व्याख्यानरूप ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

आदि काव्य रामायण की कथा से चरित्र निर्माण कर सकेंगे। महाभारत के परिचय से दुर्गुणों से निर्वृति एवं सद्गुणों की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे। संस्कृत के महाकाव्य, नाट्य साहित्य, गीतिकाव्य आदि विधाओं के उद्भव एवं विकास परम्परा से परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-IV: वेद एवम् उपनिषद्।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit = 5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	ऋग्वेदीय सूक्त–अग्नि(1.1) हिरण्यगर्भ(10.121)	10Hours
2	यजुर्वेदीय सूक्त– प्रजापति सूक्त (32.1–5), अथर्ववेदीय सूक्त–पृथिवी सूक्त (12.1–10)	10Hours
3	वैदिक व्याकरण–देवशब्दरूप, गम् धातु, लट् लकार।	10Hours
4	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली)	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में वैदिक मंत्रों एवं कठोपनिषद् के छः मंत्रों में से किन्हीं चार मंत्रों की व्याख्या उपेक्षित हैं।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. ऋग्भाष्य संग्रह, डॉ0 देवराज चानना, मुंशीलाल मनोहर दास, दिल्ली।
2. प्राथमिक वेद संग्रह, पं0 रघुवर मिठठूलाला शास्त्री और पं0 चद्रिका प्रसाद शुक्ल।
3. न्यू वैदिक सलेक्शन, डॉ0 जमुना पाठक एवं उमेश प्रसाद सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
5. वैदिक व्याकरण, डॉ0 वीणा शर्मा , चौखम्बा ओरयणटालिया, वाराणसी।
6. कठोपनिषद्, डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
7. कठोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
8. कठोपनिषद् , डॉ0 विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ।

अधिगमः–

21/9/23 21.09.2023 21-9-23 21.9.2023 21.9.23 21.9.23

वैदिक संहिता के सूक्तों के अध्ययन से वैदिक भाषागत वैशिष्ट्य एवं उनमें सन्निहित ज्ञान, विज्ञान आध्यात्मिक तत्त्वों का परिचय प्राप्त करेंगे। वैदिक मन्त्रों के संहिता–पद–प्रभृति अष्टविध पाठों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

कठोपनिषद् के अध्ययन से आध्यात्मिक रूचि उत्पन्न होगी एवं वे मूल्यपरक जीवन की महत्ता से परिचित हो सकेंगे। गूढ़ दार्शनिक रहस्य एवं आत्मज्ञान से छात्र सुविज्ञ होंगे। आत्मा एवं परमात्मा का ब्रह्मविषयक ज्ञान से हमारे छात्र भलीभाँति परिचित होंगे।

21.09.2023

21.9.23

21.9.23

21.9.23

21.9.2023

रमेश

21-9-23

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)
MJC-V: संस्कृत काव्यशास्त्र।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)।	08 Hours
2	साहित्यदर्पण (द्वितीय परिच्छेद)।	08Hours
3	साहित्यदर्पण (षष्ठ परिच्छेद)।	08 Hours
4	साहित्यदर्पण (दशम परिच्छेद)। शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष। अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, काव्यलिंग, अतिशयोक्ति, विशेषोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान्।	08 Hours
5	छन्द– आर्या अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, मालिनी, शिखरिणी, हरिणी, स्रग्धरा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका भुजङ्गप्रयात शर्दूलविक्रीडित, स्रग्विणी।	08 Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में प्रदत्त छः छंदों में से किन्हीं चार की सोदाहरण व्याख्या उपेक्षित हैं।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।
कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. साहित्यदर्पण– शालिग्राम शास्त्री, MLBD.
2. साहित्यदर्पण– अभिराजराजेन्द्र मिश्र।
3. साहित्यदर्पण–डॉ0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. साहित्यदर्पण– शेषराज रेग्मी, चौखम्बा, वाराणसी।
5. छन्दोमंजरी– परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
6. वृत्तरत्नाकर– धरानन्द शास्त्री, MLBD.
7. छन्दोमंजरी– पं0 श्री जगन्नाथ शास्त्री तैलङ्ग, भारतीय विद्याप्रकाशन, दिल्ली।

अधिगमः–

NDRTech.com

साहित्यदर्पण के प्रथम परिच्छेद के अध्ययन से काव्य के लक्षण, प्रयोजन एवं हेतुओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। शब्द की त्रिविध शक्तियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। काव्य के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। काव्य में सन्निहित शब्दगत एवं अर्थगत अलंकारों का चमत्कार जान सकेंगे। छन्दों के वैविध्यपूर्ण ज्ञान से संस्कृत रचना कौशल एवं सौन्दर्य से परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)
MJC-VI: संस्कृत नाटक।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1Credit=5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	स्वप्नवासवदत्तम् (भास) (1–4 अंक)	10 Hours
2	स्वप्नवासवदत्तम् (भास) (5–6 अंक)	10 Hours
3	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) (1–4 अंक)	10 Hours
4	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) (5–7 अंक)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में दोनों नाटकों से कुल छः श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. स्वप्नवासवदत्तम्– जयपाल विद्यालंकार, MLBD
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– बाबूराम त्रिपाठी, प्रकाशन, आगरा।
3. अभिज्ञानशाकुनतलम्– कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
4. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ0 मोहन मिश्र, जनरल बुक एजेंसी, पटना।
5. अभिज्ञानशाकुनतलम्– सुबोधचन्द्रपन्त, MLBD .

6. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – नारायणराम आचार्य, निर्णय सागर प्रेस।
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – C.R Devadhar, MLBD, Delhi.
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – M.R Kale, MLBD, Delhi.

अधिगमः–

नाटकों के अध्ययन के पश्चात् छात्र–छात्राओं के जीवन में सर्वांगीण, सामाजिक, रीति–रिवाजों एवं सांस्कृतिक महत्त्वों के मनोभाव विकसित होंगे।

तत्कालीन समाज का प्रतिबिम्बन उक्त नाटकों में अवलोकन करने के उपरान्त स्वकीय जीवन में आनन्द का अनुभव करेंगे। सत्यं–शिवं–सुन्दरम् की भावना उनके व्यक्तित्व में इन नाटकों के अध्ययन से विकसित हो सकेंगे।युवक–युवतियोंके अंदर सौन्दर्यपरक ऐसी शास्त्र दृष्टि विकसित होगी, जो अर्वाचीन समय में समाज को गढ़ने एवं पढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MJC-VII: व्याकरण–4।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit=5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) कर्ता, कर्म।	10Hours
2	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) करण, सम्प्रदान, अपादान।	10Hours
3	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) संबंध, अधिकरण।	10Hours
4	वाच्य– कर्तृ, कर्म और भाव (विशेषतः द्विकर्मक धातुओं के वाच्यपरिवर्तन)।	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में कारकों एवं वाच्य परिवर्तन से सम्बद्ध पॉच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के विश्लेषणात्मक / तुलनात्मक / वाच्यपरिवर्तनात्मक उत्तर अपेक्षित हैं।)– 03x10=30 अंक।

Nprtech.com

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. कारक–प्रकरण– धरानन्द शास्त्री।
2. कारक दर्शन–डॉ0 कलानाथ झा।
3. रचनानुवाद कौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. बृहद अनुवाद चन्द्रिका– धरानन्द शास्त्री, MLBD .
5. Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale.
6. Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale का हिन्दी अनुवाद, रामनारायण लाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद।
7. संस्कृत स्वयं शिक्षक (भाग–I,II) – श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

अधिगमः–

संस्कृत रचना में परमोपयोगी कारक एवं विभक्ति का ज्ञान प्राप्त करेंगे। रचना कौशल की प्रवृत्ति बढ़ेगी। वाक्य कर्तृ कर्म एवं भाववाच्य द्वारा परिवर्तित करने की क्षमता का विकास होगा।

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)
MJC-VIII: भारतीय दर्शन।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय (आस्तिक, नास्तिकदर्शन)	10 Hours
2	तर्कसंग्रह–उद्देश्य प्रकरण (पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म निरूपण)	10 Hours
3	तर्क संग्रह– लक्षण निरूपण (पृथिवी, जल, तेज, वायु, आकाश, काल दिक, आत्मा, मन निरूपण)।	10 Hours
4	तर्क संग्रह–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द परिच्छेद।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इस खण्ड में प्रदत्त छः दार्शनिक उपविषयों (पदों) में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लेखन अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय दर्शन– हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, MLBD .
2. तर्क संग्रह– गोविन्दाचार्य, चौखम्भा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. तर्क संग्रह–दयानन्द भार्गव, MLBD .
4. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– धरानन्द शास्त्री, MLBD .
5. Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale.
6. भारतीय दर्शन– डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, चोखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र–छात्राएँ दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एव परमात्मा, ब्रहम एवं माया, जीव–जगत् इत्यादि विषयों का तात्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

NDRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)

MJC-IX: श्रीमद्भगवद्गीता।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भगवद्गीता का सामान्य अध्ययन।	10 Hours
2	द्वितीय अध्याय (श्लोक 1—36)	10 Hours
3	द्वितीय अध्याय (श्लोक 37—72)	10 Hours
4	चतुर्थ अध्याय (सम्पूर्ण)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा— 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य— 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन— 05 अंक

कुल—30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड—क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । — 10x2=20 अंक।

खण्ड—ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इस खण्ड में निर्धारित अंशों से छः श्लोकों में से में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) — 4x5=20 अंक।

खण्ड—ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) — 03x10=30 अंक।

कुल — 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः—

1. श्रीमद्भगवद्गीता—मधुसूदनसरस्वती कृत गूढ़ार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभाभाष्य (हिन्दी) सहित।
2. भगवद्गीता — गीताप्रेस, गोरखपुर। .
3. भगवद्गीता — मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा, वाराणसी।
4. गीता रहस्य— बालगंगाधर तिलक।
5. गीता प्रवचन— आचार्य विनोबा।
6. गीता (साधक संजीवनी)— रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।
7. गीता तत्त्व चिन्तामणि— जयदयाल गोयंका, गीताप्रेस, गोरखपु।
8. गीता का अनुशीलन— श्रीलप्रभुपाद, ISCON.
9. सनातनशास्त्रम्— सीताराम ओंकारनाथ दास।

अधिगमः—

NBRTech.com

गीता के कर्म, भक्ति एवं ज्ञान विषयक अध्यायों के अध्ययन से छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्त्व का सर्वांगिण विकास हो सकेगा। इनके जीवन में असमंजस एवं अन्तद्वन्द्व की स्थितियों से निदान प्राप्त कर सकेंगे। उनके जीवन में सम्पूर्ण मानवीय सद्गुणों एवं सत्प्रवृत्तियों का अभ्युदय हो सकेगा। नर से नारायण की यात्रा अर्थात मनुष्य देह में दैवीय सद्गुणों का विकास संभव हो सकेगा। गीता अध्ययन का परम फल यह होगा कि भारत के छात्र/छात्राएं भारतबोध, आत्मज्ञान, परमात्म सिद्धि, परमार्थ बोध आदि समस्त सत्प्रवृत्तियों से सम्पृक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)
MJC-X: संस्कृत गद्य साहित्य।
Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	शुकनासोपदेश।	15 Hours
2	शिवराजविजयः (प्रथम निःश्वास)	15 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– डॉ0 रमाकान्त झा, डॉ0 हरिहर झा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– डॉ0 प्रहलाद कुमार, मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली।
3. शिवराज विजय– विजय शंकर चौबे, MLBP.
4. शुकनासोपदेश – मोहनदेव पन्त MLBD.
5. शिवराजविजय– डॉ0 यशवन्त कुमार जोशी, आयुर्वेद संस्कृत, हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
6. शिवराजविजयः– डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

WBRTech.com

शुकनासोपदेश के अध्ययन के पश्चात् युवावस्था के आने वाले दुष्प्रभावों से बचने में सफल होंगे। विशेषकर पद–प्रतिष्ठा प्राप्त कर अंहकार जन्य दुष्प्रवृत्तियों का शमन कर सकेगा। लक्ष्मीमद अर्थात् धन से उत्पन्न होने वाले अभिमान जन्य दुर्गुणों के प्रति छात्र/छात्राएँ विशेष रूप से सतर्क रहेंगे। साथ ही युवावस्था में उत्पन्न होने वाली सहज कुप्रवृत्तियों से भी वे बच सकेंगे। छात्र/छात्राएँ संस्कृत साहित्य के उपन्यास विधा से परिचित हो सकेंगे। विदेशी आक्रान्ताओं के दुराचार एवं कदाचार की एक झलक प्राप्त कर सकेंगे एवं राष्ट्रवाद की भावना से युक्त हो सकेंगे।

मोहन मिश्र
21.09.2023

21.9.23

21.9.23

Manoj
21.9.23

21/9/2023

Ruchi
21-9-23

21/9/23

NDRITech.Com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MJC-XI: संस्कृत व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कृत्य प्रक्रिया (तव्यत्, अनीयर, केलिमर, यत्, ण्यत्)।	10 Hours
2	कृत् प्रत्यय–घञ् ल्युट्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच् ट, खश, अच्, अप्।	10 Hours
3	तद्धित प्रत्यय– मत्वर्थीय।	10 Hours
4	स्त्री प्रत्यय– टाप्, ङीप् और ङीष्	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में सम्बद्ध व्याकरणिक पक्षों से सम्बद्ध विश्लेषणात्मक/तुलनात्मक/प्रयोगात्मक वैशिष्ट से संबद्ध प्रश्न होंगे। पॉच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – धरानन्दशास्त्री, मोतिलाल बनारसी दास।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रो0 अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृतपुस्तकालय, जयपुर।.
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रो0 रामविलास चौधरी, मोतिलाल बनारसी दास।
5. वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदीस्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् प्रो0 वैद्यनाथ मिश्र, पोद्यार पब्लिकेशन, वाराणसी।

अधिगमः–

NDPTech.com

छात्र/छात्राएँ संस्कृत वाक्य रचनोपयोगी कृत्य प्रत्ययों के प्रयोग से अवगत हो सकेंगे। प्रकृति भेद से प्रत्यय भेद को रूपों एवं प्रयोगों को समक्ष सकेंगे। स्त्री प्रत्यय–प्रातिक पदिक से स्त्रीत्व अर्थ में विविध स्त्री प्रत्ययों की प्रयोग दशा समझ सकेंगे।

संस्कृत के प्रत्ययों के ज्ञान द्वारा शब्द–निर्माण का समार्थ्य विकसित होगा।

संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से परिचय होगा।

21.09.2023

21-9-23

21-9-23

21.9.23

21-9-23

21.9.2023

21-9-23

21/9/23

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)
MJC-XII: संस्कृत रचना।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन।	10 Hours
2	संस्कृत निबन्ध लेखन।	10 Hours
3	संस्कृत से हिन्दी अनुवाद।	10 Hours
4	हिन्दी से संस्कृत अनुवाद।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में व्यक्तिगत पत्र/आवेदन पत्र/ सूचना/ निमंत्रण पत्र से संबद्ध छः प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में प्रदत्त तीन हिन्दी अनुच्छेदों एवं दो संस्कृत अनुच्छेदों में से यथायोग तीन अनुच्छेदों का संस्कृत/हिन्दी में अनुवाद अपेक्षित है।– 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. रचनानुवाद कौमुदी–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. बृहद अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर नौटियाल, MLBD.
3. निबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृतनिबन्धसौरभम्– प्रो0 बैद्यनाथ मिश्र, पोद्दार पब्लिकेशन, वाराणसी।
5. निबन्ध कुसुमाञ्जलि– डॉ0 जयमन्त मिश्र, दिल्ली।

अधिगमः–

इससे संस्कृत छात्र/छात्राओं में संस्कृत में पत्र लेखन एवं निबन्ध लेखन की क्षमता का विकास होगा। अनुवाद के द्वारा छात्रों में संस्कृत रचना में प्रवेश करने की क्षमता का संवर्धन होगा।

WBRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)
MJC-XIII: संस्कृत महाकाव्य।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग)	20 Hours
2	शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)	20 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में दोनों महाकाव्यों से कुल छः श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. कुमारसम्भवम्– नेमिचन्द शास्त्री, MLBD.
2. शिशुपालवधम्– श्री रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. कुमारसम्भवम्– जगदीशलालाशास्त्री , मोतिलाल बुक्स पब्लिकेशंस एण्ड डिष्ट्रीब्युटर्स , वाराणसी।
4. कुमारसम्भवम्– प्रो0 रेवाप्रसाद द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5. शिशुपालवध– जनार्धनशास्त्री पाण्डेय, मोतिलाल बुक्स, पब्लिकेशंस एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, वाराणसी।
6. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग), आशुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्योपंतम्– पं0 सत्यनारायण शास्त्री, चौखम्बा भारती आकदमी, पटना।

अधिगमः–

इन महाकाव्यों के अध्ययन के पश्चात् का लिदास एवं माघ के काव्य सौन्दर्य का रसपान कर सकेंगे। काव्यानन्द के साथ तपः प्रवृति और पौराणिक आख्यानों से भी परिचित हो सकेंगे। छात्र/छात्राओं के अन्दर जीवन में तपस्या का महत्त्व, अतिथि सत्कार, स्पष्टवादिता एवं लक्ष्य संसिद्धि का सोपान प्रशस्त होगा।

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XIV: संस्कृत कथा साहित्य।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	पञ्चतन्त्रम् (अपरीक्षितकारक–आरंभिक तीन कथाएँ)	20 Hours
2	हितोपदेश (आरंभिक तीन कथाएँ)	20 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. पञ्चतन्त्रम् – श्री गुरूप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
2. पञ्चतन्त्रम् – श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, पटना।
3. हितोपदेश– मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
4. अपरीक्षितकारकम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
5. हितोपदेश प्रो0 बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

इन कथाओं के अध्ययन से कर्तव्याकर्तव्य का बोध होगा तथा उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। गुरूपदेश के महत्त्व को समझ सकेंगे। संस्कृत की मनोहर कथा परम्परा से अवगत होंगे।

MDRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XV: व्याकरण–7 एवं भाषाविज्ञान।

Theory :5 Credits+ Tutorial: 6 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	समास–केवलसमास, अव्ययीभाव और तत्पुरूष	15 Hours
2	समास–बहुव्रीहि और द्वन्द्व	15 Hours
3	भाषा की परिभाषा भाषोत्पत्ति सिद्धान्त भाषा और बोली में अन्तर।	10 Hours
4	भारतीय आर्यभाषा का क्रमिक विकास, लौकिक एवं वैदिक संस्कृत भाषा में अन्तर।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	60 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न। पॉच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 भोलाशंकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, वाराणसी।
3. सामान्य भाषाविज्ञान– डॉ0 बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
5. Elements of Science of Language- Tara Porewala.

अधिगमः–

छात्र सामासिक प्रक्रिया के क्रम को समझ सकेंगे और संस्कृत रचना में उनका उपयोग कर सकेंगे। सामासिक प्रक्रिया जानने के बाद प्रौढ़ समस्तपदों को समझने में सुगमता आएगी।

21.09.2023

WPTech.com

MIC- I:संस्कृत व्याकरण

3 Credits

100 Marks-70+30

उद्देश्य

"मुखं व्याकरणं स्मृतम्"–संस्कृत भाषा की अवगति(समझदारी) विकसित करने हेतु महर्षि पतंजलि ने व्याकरण–शास्त्र को प्रमुख अंग के रूप में विवेचित किया है। वास्तव में, व्याकरण के ज्ञान के विना संस्कृत–वाङ्मय को समझना दुष्कर है। एतन्निमित्त यहाँ व्याकरण के प्रमुख व महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराने के उद्देश से लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर पाठ्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत है–

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
I	संज्ञा प्रकरण	05
II	सन्धि प्रकरण(लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार): स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि	10
III	शब्द रूपः राम, लता, फल, नदी, वारि, साधु, वधू, मधु, गौ, मातृ, राजन, युष्मद, अस्मद्, तीनों लिंगों में–तत्, किम्, सर्व अदस् धातुरूप(पाँच लाकारों में)–लट्, लोट्, लड् विधिलिंग लृट् भू, गम्, सेव् हृ, लभ्, रम् शीड्, श्रु, स्था, दृश्	05
IV	अनुवाद–(I) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (II) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	05
V	**Tutorial**	05
	Total	30

Reading List

1. शास्त्री, धरानन्द, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग–01, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा चौरवम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धिः–संस्कृत व्याकरण के अध्ययन के उपरान्त छात्र छात्राओं को निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त होगी–

1. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगें।
2. संस्कृत वर्णमाला एवं श्लोकों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकसित होगा।
3. संस्कृत वाक्यों, श्लोकों एवं गद्यों को समझने की सामर्थ्य–शाक्ति विकसित होगी।
4. छात्र/छात्राओं को संस्कृत भाषा में सम्भाषण की कला का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. संस्कृत वाक्यों के निर्माण की शुद्ध एवं वैज्ञानिक कला का विकास होगा।

14/6/2023

14/6/23

MIC- II

संस्कृत काव्य

3 Credits

100 Marks-70+30

उद्देश्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए काव्य-साहित्य का सेवन नितांत आवश्यक है। शास्त्रों में वर्णित है–

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले।
काव्यामृत रसास्वादः संगमः सज्जनैः सह।।

छात्र छात्राओं के जीवन में काव्य रूपी अमृत का सेवन उनके सम्पूर्ण व्यक्त्वि को परिपक्व व सुदृढ़ बनाने में सहायक है। काव्यों की सूक्तियाँ, रसानुभूति, सौन्दर्यबोध मानव–जीवन को आनन्दित एवं आन्दोलित करने तथा जीवन जीने की कला सिखाने में समर्थ है।साधु–काव्य के सेवन से "सत्यं शिवं एवं सुन्दरम्" का समवेत बोध छात्र/छात्राओं को हो सके–एतदर्थ काव्य का अध्ययन/अध्यापन अपेक्षित है।

Unit	Prescribed Course	No. of lectures
I	भगवद्गीता द्वितीय अध्याय (स्थित प्रज्ञ विवेचन)–श्लोक संख्या–54 से 72 तक	09
II	पूर्वमेघदूतम्–श्लोक संख्या–01 से 20 तक	08
III	नीतिशतकम्–श्लोक संख्या–01 से 20 तक	08
IV	Tutorial	05
	Total	30

Reading List

1. श्रीमद्भगवद्गीता व्याख्याकार–मदनमोहन अगवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी, 1994
2. मेघदूतम, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स अशोक राजपथ पटना|
3. जनार्दन शास्त्री, भारविकृत किरातार्जनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. श्रीमद्भगद्गीता–एस० राधाकृष्णन कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली–, 1969
5. बाबूराम त्रिपाठी(सम्पा.), भर्तृहरि कृत नीतिशतकम् महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1986
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धिः–

- छात्र संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत साहित्य पद्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे

14/06/2023

14/6/23

NBKRTech.com

भाषा की विविध परिभाषाओं से अवगत होंगे और भाषा की उत्पत्ति के संबंध में विभिन्न मतों का परिचय प्राप्त कर बोली आदि का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MIC-III: संस्कृत गद्य साहित्य।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	हितोपदेश (अपरीक्षितकारक)	10 Hours
2	पंचतंत्र (मित्रलाभ)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। –
10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन गद्यांश होंगे जिनमें से चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद उत्तरणीय। –
5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों में से क्रमशः दो और तीन प्रश्न, जिनमें से कोई तीन प्रश्न उत्तरणीय। –
10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

6. पंचतन्त्रम् – श्री गुरुप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
7. पंचतन्त्रम् – श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, पटना।

NDRTech.com

8. हितोपदेश– मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
9. अपरिक्षितकारकम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
10. हितोपदेश– प्रो0 बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

छात्रों का चारित्रिक निर्माण होगा। उनका नैतिक विकास होगा। विचारों में परिपक्वता आएगी। संस्कृत भाषा लेखन एवं सम्भाषण में निपुण हो सकेंगे। संस्कृत की मनोहर कथा परम्परा से अवगत होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP
UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)
MIC-IV: संस्कृत व्याकरण एवं सम्भाषण कौशल।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit=3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत–संभाषण कौशल के क्रमिक सोपान।	10 Hours
2	विभक्त्यर्थ प्रकरण।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. संस्कृत संभाषणोपयोगी प्रत्ययों (क्त्वा, ल्यप्, क्तवतु, शतृ शानच् तुमुन्) तथा विभक्ति सूत्रों की व्याख्या। दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। – 5x4=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों से कुल पाँच प्रश्न किए जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत स्वयं शिक्षक– दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
3. रचनानुवाकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. व्यवहार साहस्री– संस्कृत भारती, दिल्ली।

NDTech.com

5. संभाषण सोपानम्– संस्कृत भारती, दिल्ली।
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

संस्कृत में बोलने की क्षमता विकसित होगी। वाक्यों की संरचना एवं सिद्धता का बोध हो सकेगा। छात्र/छात्राएँ लेखन एवं सम्भाषण कला में प्रवीण हो सकेंगे। व्याकरण बोध से संस्कृत भाषागत समझ विकसित होगी एवं अभिव्यक्ति में सुगमता होगी।

NDRITech.Com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)
MIC-V: संस्कृत नाटक।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1Credit= 3Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)।	10 Hours
2	मालविकाग्निमित्रम् (प्रथम अंक)।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन–तीन श्लोक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या करेंगे।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. स्वप्नवासवदत्तम्– आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मि'।
2. स्वप्नवासवदत्तम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
3. स्वप्नवासवदत्तम्– जयपाल विद्यालंकार, MLBD.
4. मालविकाग्निमित्र– प्रिंसिपल मोहनदेव पन्त, MLBD.
5. मालविकाग्निमित्रम्– पं0 श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।

अधिगमः–

संस्कृत के नाट्य साहित्य को पढ़ने की अभिरूचि जागृत होगी। अभिनय कौशल एवं सम्भाषण कला का विकास होगा। अभिनय कौशल एवं सम्भाषण कला का विकास होगा। भास एवं कालिदास के नाट्य साहित्य

WDRTech.com

को पढ़कर भारतीय संस्कृति एवं कला से परिचित हो सकेंगे।

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MIC-VI: संस्कृत काव्यशास्त्र।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्यभेद एवं शब्द शक्तियाँ।	10 Hours
2	अलंकारः– शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष। अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्पेक्षा, अर्थान्तरन्यास (काव्यदीपिका के अनुसार)।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं चार की व्याख्या करेंगे।

खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

7. काव्यदीपिका– परमेश्वरनन्द शर्मा, MLBD.
8. काव्यात्ममीमांसा– डॉ0 जयमन्त मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।

अधिगमः–

काव्यशास्त्रीय विवेचन कर काव्य की उत्कृष्टता को समझ सकेंगे। काव्य की महत्ता को समझ सकेंगे। काव्य रचना के शास्त्रीय पक्षों का ज्ञान होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- VII (Pattern-70+30=100)
MIC-VII: संस्कृत नीतिकाव्य।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	(क) नीतिशतक (आरम्भिक 10 पद्य) (ख) श्रृंगारशतक (आरम्भिक 10 पद्य)।	10 Hours
2	चाणक्य नीति (प्रारम्भिक 20 पद्य)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन–तीन श्लोक (कुल छः) होंगे, जिनमें से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या करेंगे।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. चाणक्यनीतिदर्पणः – डॉ0 गुञ्जेश्वरी चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. चाणक्यनीतिदर्पणः – पं0 रूपनारायण पाण्डेय कविरत्न, तेजकुमार बुकडिपो लिमिटेड, लखनऊ।
3. भर्तृहरि शतकत्रयम्– डॉ0 ददन उपाध्याय, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

4. भर्तृहरिशतकत्रय– डॉ0 चमनलाल गौतम, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. SATAKATRAYAM- D.S.R KRISHNAMURTI, J.P Publishing House.

अधिगमः–

छात्रों–छात्राओं का नैतिक बोध विकसित होगा। चारित्रिक विकास होगा। संस्कृत सरल संरचना से परिचित होंगे। व्यक्तित्व के निर्माण में इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER- VIII (Pattern-70+30=100)

MIC-VIII: संस्कृत साहित्य का इतिहास।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वेदों का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	10 Hours
2	रामायण और महाभारत का सामान्य परियच।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।

दोनों इकाइयों से कुल छः टिप्पणियाँ होंगे, जिनमें से किन्हीं चार पर टिप्पणी करनी होगी।

खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।

दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

11. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय(शारदामन्दिर वाराणसी)।
12. वैदिक साहित्य का इतिहास, पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
13. वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास, प्रो० रामविलास चौधरी, MLBD ।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)।
15. वैदिक साहित्य का इतिहास, गजानन्द मुसलगांवकर, चौखम्बा।
16. A History of Indian Literature, Vol. II, Translated by Subhdra Jha, MLBD.
17. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
18. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
19. संस्कृतसाहित्येतिहासः, आचार्य रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।
20. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अधिगमः–

पाठ्यक्रम सम्पन्न होने पर छात्र संस्कृत साहित्य के वैदिक एवं लौकिक के प्रमुख पक्षों का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसकी महत्ता को समझ सकेंगे। वेदों में निहित ज्ञान–विज्ञान अध्यात्म एवं दर्शन के रहस्यों से

अवगत हो सकेंगे। वैदिक साहित्य के वेदांगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। वेदों के व्याख्यानरूप ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

आदि काव्य रामायण की कथा से चरित्र निर्माण कर सकेंगे। महाभारत के परिचय से दुर्गुणों से निर्वृति एवं सद्गुणों की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER- IX (Pattern-70+30=100)

MIC-IX: श्रीमद्भगवतगीता।

Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य परिचय, गीता में प्रतिपादित कर्म, ज्ञान एवं भक्ति मार्ग का सामान्य परिचय।	15 Hours
2	अध्याय–15 (पुरूषोत्तम योग)।	15 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल छः टिप्पणियाँ होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार पर टिप्पणी करनी होगी।

खण्ड ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं
तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

10. श्रीमद्भगवद्गीता–मधुसूदनसरस्वती कृत गूढ़ार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभाभाष्य (हिन्दी) सहित।
11. भगवद्गीता – गीताप्रेस, गोरखपुर। .
12. भगवद्गीता – मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा, वाराणसी।
13. गीता रहस्य– बालगंगाधर तिलक।
14. गीता प्रवचन– आचार्य विनोबा।
15. गीता (साधक संजीवनी)– रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।
16. गीता तत्त्व चिन्तामणि– जयदयाल गोयंका, गीताप्रेस, गोरखपु।
17. गीता का अनुशीलन– श्रीलप्रभुपाद, ISCON.
18. सनातनशास्त्रम्– सीताराम ओंकारनाथ दास।

21/9/23
21.09.2023
21.9.23
21.9.23
21/9/2023
21.9.23
21.9.23

अधिगमः–

गीता के कर्म, भक्ति एवं ज्ञान विषयक अध्यायों के अध्ययन से छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्त्व का सर्वांङ्गीण विकास हो सकेगा। इनके जीवन में असमंजस एवं अन्तर्द्वन्द्व की स्थितियों से निदान प्राप्त कर सकेंगे। उनके जीवन में सम्पूर्ण मानवीय सद्गुणों एवं सत्प्रवृत्तियों का अभ्युदय हो सकेगा। नर से नारायण की यात्रा अर्थात् मनुष्य देह में दैवीय सद्गुणों का विकास सभंव हो सकेगा। गीता अध्ययन का परम फल यह होगा कि भारत के छात्र/छात्राएं भारतबोध, आत्मज्ञान, परमात्म सिद्धि, परमार्थ बोध आदि समस्त सत्प्रवृत्तियों से सम्पृक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- X (Pattern-70+30=100)
MIC-X: भारतीय दर्शन।
Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भारतीय दर्शन की उत्पत्ति, उद्देश्य और वर्गीकरण।	10 Hours
2	भारतीय आस्तिक दर्शन का सामान्य अध्ययन।	10 Hours
3	भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. तीनों इकाइयों से कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। 5x4–20 अंक।
तीनों इकाइयों से कुल छः प्रश्न होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
तीनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2. भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा।
3. भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा।
4. भारतीय दर्शन – पारसनाथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन – डॉ० उमा शंकर शर्मा ऋषि।
6. History of Indian Philosophy- S.N Das Gupta.

अधिगमः–

भारतीय दार्शनिक चिन्तन परम्परा से परिचित हो सकेंगे। भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र–छात्राएँ एक दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एवं परमात्मा, ब्रह्म एवं माया, जीव–जगत् इत्यादि विषयों का तात्त्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MDC -I: भारतीय संस्कृति।
Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वर्णाश्रम व्यवस्था, षोडशसंस्कार, पुरुषार्थचतुष्टय।	10 Hours
2	प्राचीनशिक्षण, प्रणाली (गुरुकुलीयशिक्षापरम्परा, ब्रह्मचारी के आवश्यक कर्त्तव्य, गुरुशिष्य परम्परा)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। –
10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।) –
5x4=20 अंक।

NDPRTech.com

खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों से पॉच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. भारतीयसंस्कृति – डॉ0 प्रीति प्रभा गोयल, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्व– डॉ0 सुखबीर सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. भारतीयसंस्कृति एवं कला – वाचस्पति गैरोला, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
4. हिन्दू संस्कार – राजबलि पाण्डेय।
5. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास – डॉ0 जयशंकर मिश्र।
6. धर्मशास्त्र का इतिहास – भारतरत्न, पी0वी0 काणे।

अधिगम:–

(1) भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्व को समझ सकेंगे।
(2) संस्कारों के वैज्ञानिक महत्त्व से अवगत होंगे।
(3) शिक्षण प्रणाली के बोध के साथ चारित्रिक विकास होगा।
(4) गुरू शिष्य संबंध की पवित्रता समझ सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -II: संस्कृत काव्य।

Theory : 3Credit+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वाल्मीकीय रामायण (सुन्दर काण्ड, सर्ग सात)	10 Hours
2	श्रीमदभगवदगीता (अध्याय–12)	10 Hours
3	मेघदूत (कालिदास) –पूर्वमेघ, आरम्भिक 10 पद्य।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

NPRTech.com

खण्ड–क 1. तीनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. तीनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में श्लोक व्याख्या प्रष्टव्य है।) – 5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3. तीनों इकाइयों से पॉच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. रामायण – गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. भगवद्गीता– गीताप्रेस गोरखपुर।
3. मेघदूतम् – मोतीलाल बुक पब्लिशर्स एण्ड डिष्ट्रीब्युटर्स, पटना।

अधिगमः–

छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास में सहायक सिद्ध होंगे। आदि कवि वाल्मीकि, वेदव्यास एवं कालिदास की विलक्षण काव्य प्रतिभा से परिचित हो सकेंगे।

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MDC -III: संस्कृत वाङ.मय में वैज्ञानिक परम्परा।
Scientific Traditious in Sanskrit.
Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत वाङ्.मय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान	10Hours
2	संस्कृत वाङ्.मय में गणित एवं खगोल विज्ञान	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।) – 5x4=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों से पाँच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संस्कृत साहित्य में ज्ञान–विज्ञान– डॉ0 शशि शर्मा, इस्टर्न बुक लिंकर्स।
2. विज्ञान सारथि: – डॉ0 विजया रानी, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

अधिगमः–

(1) संस्कृत वाङ्.मय की गौरवशाली परम्परा से परिचय प्राप्त होगा।

(2) विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।

(3) भारतीय स्वाभिमान का उदय होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MIL -III: Sanskrit
Theory : 1Credit+ Tutorial: 1 Credit =2 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	पंचतन्त्र– क्षपणक कथा, सिंहकारक मूर्ख ब्राह्मण कथा।	10 Hours
2	नीतिशतक– आरम्भिक (20 पद्य)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. नीतिशतक् – तारिणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. पंचतन्त्रम् – श्री गुरुप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
3. पंचतन्त्रम् – श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, पटना।
4. हितोपदेश– मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
5. अपरिक्षितकारकम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
6. हितोपदेश– प्रो0 बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

Rekha R 21.9.23

अधिगमः–

छात्र–छात्राओं का नैतिक बोध विकसित होगा। चारित्रिक विकास होगा। संस्कृत सरल संरचना से परिचित होंगे। व्यक्तित्व के निर्माण में इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

NDRITech.com

List of Skill Enhancement Courses (SEC)

SL. No.	Course Title	Distribution of the course		Total Credits	Total Marks=100
		Lecture	Tutorial		
1	संस्कृत–सभाषणम्	20	10	3	End- Term Appraisal: 70 Marks
2	ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड	20	10	3	Internal Assessment: 30 Marks
3	वैदिक–गणित	20	10	3	
4	संस्कृत–साहित्य में पर्यावरणीय चेतना	20	10	3	
5	Arts of Balanced Living	20	10	3	
6	संस्कृत आयुर्विज्ञान	20	10	3	

NDRITech.Com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC-I: संस्कृत–संभाषणम्

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	व्यावहारिक शब्दावली का ज्ञान, पद एवं वाक्य संरचना	10 Hours
2	वाच्य–परिवर्तन, प्रयोग तथा अनुवाद	10 Hours
3	परिचय, लघुपरिचर्चा, लघुलेख, वार्तालाप, संदेश–रचना	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:- Speak fluently in Sanskrit.

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC-II: ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कर्मकाण्ड–सामान्य परिचय, शुद्दिकरण, आसन–ग्रहण, इष्ट–आह्वाहन, संध्योपासना, गृहपवेश।	10 Hours
2	कर्मकाण्ड–उपनयन, पाणिग्रहण, श्राद्धकर्म, मूर्तिस्थापना, हवनादियाज्ञिक–कर्मकाण्ड।	10 Hours
3	ज्योतिष– सामान्य परिचय, नवग्रहों का परिचय, नक्षत्रों का परिचय।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- Have general knowledge about Jyotish and Karmkand.
- Perform some Hindu rituals
- Know about Graha and nakshtras.

NDRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
(Pattern-70+30=100)
SEC-III: वैदिक–गणित
Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत में गणित का इतिहास वैदिक साहित्य और लौकिक साहित्य में गणितीय प्रयोग	10 Hours
2	गणित के प्रमुख आचार्यों का परिचय– वररूचि, आर्यभट्ट प्रथम, वराहमिहिर, श्रीधर, आर्यभट्ट, द्वितीय, श्रीपति, भास्काराचार्य, गणेश देवज्ञ, कमलाकार, रामानुजन।	10 Hours
3	आर्यभटीयम् (01–05), लीलावती (01–10)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- Get introduction of Vedic mathematics.
- Know about the great scholars of Vedic mathematics.
- Familiar with introctory book related Vedic mathematics.

NDRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
(Pattern-70+30=100)
SEC- IV: संस्कृत–साहित्य में पर्यावरणीय चेतना
Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	Environmental Background of Sanskrit Literature	10 Hours
2	Environment Awareness in Vedic Literature	10 Hours
3	Environment Awareness in Classical Sanskrit Literature	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- The basic concept of Indian Science of Environment.
- Modern Environmental Perspective and importance of Sanskrit Literature.
- Silent features of Environmental awareness as reflected in Vedic and Classical sanskrit.

NDRITech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
(Pattern-70+30=100)
SEC- V: Arts of Balanced Living
Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	Self-presentation: श्रवण, मनन, निदिध्यासन (बृहदारण्योपनिषद् 2.4.5)	10 Hours
2	Concentration: अभ्यास–योगसूत्र 1.2, वैराग्य– योगसूत्र 1.12–16	10 Hours
3	Refinement of behavior: ज्ञानयोग, कर्मयोग, ध्यानयोग और भक्तियोग।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- Work on human resource management for giving better results.
- Method of Self-presentation Hearing .
- Restriction of fluctuations by practice and passionlessness as well as method of improving behavior.

NDRTech.com

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC- VI: संस्कृत आयुर्विज्ञान

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, इतिहास, प्रमुख आचार्य–धन्वन्तरी, पुनर्वसु, चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, सारंगधर, भावमिश्र।	10 Hours
2	चरक संहिता– सूत्रस्थान (शरीर की प्रकृति और छः ऋतुएँ)	10 Hours
3	तैतिरीयोपनिषद्– (भृगुवल्ली)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- आयुर्वेद की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय हो सकेगा।
- स्वास्थ्य संरक्षण के सूत्रों से परिचित होंगे।
- वैदिक स्वास्थ्य चिन्तन से अवगत हो सकेंगे।

अनशंसित ग्रन्थ

- आयुर्वेद का प्रमाणिक इतिहास, डॉ0 भगवतराम गुप्त, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- चरक संहिता (सूत्र स्थान) चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।

NDRITech.com